केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली

सैकण्डरी स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)

परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरें

विषय **Subject :** Hindi

विषय कोड **Subject Code :** 002

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : Tuesday 19/03/2019

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : Hindi

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाएँ : Write code No. as written on the top of the question paper :	Code Number	Set Number
	3 1 3	① ② ● ④

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओं) की संख्या
No . of supplementary answer -book(s) used : NIL

बेंचमार्क विकलांग व्यक्ति — हाँ / नहीं
Person with Benchmark Disabilities — **Yes / No** : NO

विकलांगता का कोड
(प्रवेश पत्र के अनुसार)
Code of Disabilities
(as given on Admit Card) : N-A

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं
Whether writer provided : **Yes / No** : NO

यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये सोफ्टवेयर का नाम :
If Visually challenged, name of software used : N-A

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।

Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

कार्यालय उपयोग के लिए
Space for office use

2079529
002 / 17070

Instructions to Candidates

1. Make sure that the answer-book contains 32 pages and are properly serialed in number (including title pages) as soon as you receive it.
2. DO NOT make any special sign or mark in or outside the answer-book, supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
3. DO NOT write your roll no., name of your school or place of examination in any of your answers.
4. You must write the supplementary answer-book serial no. in the attendance sheet.
5. Write on each ruled line on both sides and do not waste pages by leaving a wider margin.
6. DO NOT tear out or fold the pages of the answer-book and do not leave any page blank unnecessarily. No supplementary anwer-book(s) should be asked for unless this answer-book / the previous supplementary answer-book is finished.
7. Number your answers according to their numbers in the question paper.
8. Draw a line when a question (or a part thereof) is finished.
9. Securely tag your answer-book with supplementary answer-book(s), graph-paper, map etc. if used by you, but DO NOT write your Roll No. on the supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
10. Use only blue-black or royal-blue ink/gel/ball point pen. Using of any other writing instrument/ink/pencil etc will be on your own risk and responsibility.
11. For rough calculation etc., appropriate margin on the right-hand side of the page may be drawn. The rough calculations etc. should be crossed out afterwards.
12. DO NOT leave the examination hall without handing over the answer-book to the Asstt. Supdt.
13. If during the course of examination, a candidate is found indulging in any of the following, he/she shall be deemed to have used unfair means at the examinations, and as such his/her result shall not be declared but shall be marked as UNFAIR MEANS (U.F.M.) :-
    (a) having in possession papers, books, notes or any other material or information relevant to the examination in the paper concerned;
    (b) giving or receiving assistance directly or indirectly of any kind or attempting to do so;
    (c) writing questions or answers on any material other than the answer book given by the Centre Superintendent for writing answers;
    (d) tearing of any page of the answer-book or supplementary answer-book etc.
    (e) contacting or communicating or trying to do so with any person, other than the Examination Staff, during the examination time in the examination centre;
    (f) taking away the answer-book out of the examination hall/room;
    (g) using or attempting to use any other undesirable method or means in connection with the examination;
    (h) smuggling out Question Paper or its part or smuggling out answer-book/ supplementary answer-sheet or part thereof; and
    (i) threatening any of the officials connected with the conduct of the examinations or threatening of any of the candidates.

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
Central Board of Secondary Education, Delhi

SECONDARY SCHOOL EXAMINATION (CLASS X)

सैकण्डरी स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)

Q. No.	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	TOTAL
MARKS	8	7	2+1 (3)	4	4	4	5	8	5	0	55+1=56

Q. No.	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	TOTAL
MARKS	3+1 (4)	9+1 (10)	5	5	—	—	—	—	—	—	22+2=24

Q. No.	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	TOTAL
MARKS											

Q. No.	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	TOTAL
MARKS											

GRAND TOTAL	77+3=80
MARKS IN WORDS	~~Seventy Seven only~~ ~~Seventy Nine only~~ Eighty only

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन उचित प्रश्नपत्र के सैट और अंकन योजना के अनुसार किया है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उत्तर पुस्तिका के अन्दर कोई भी प्रश्न बिना मूल्यांकन के नहीं छूटा है।

CBSE

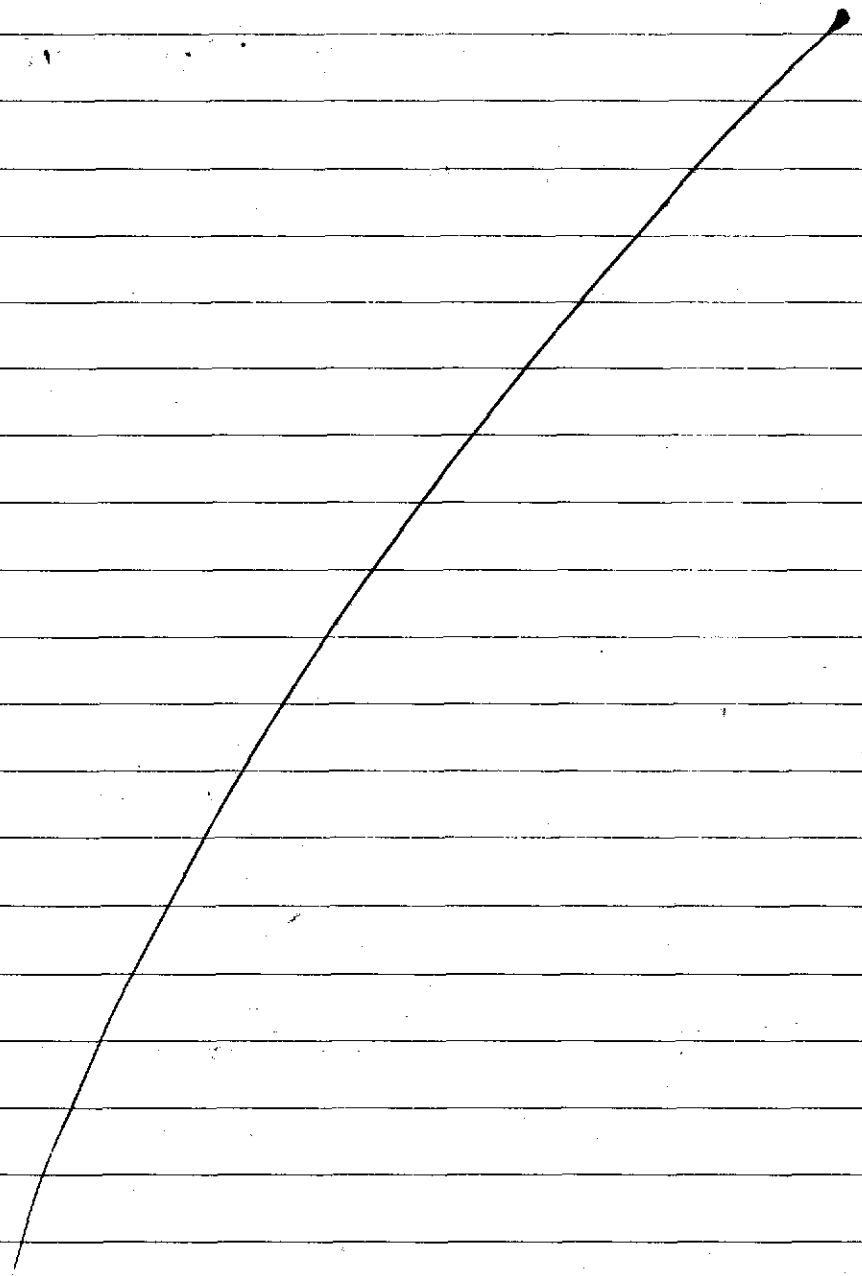

उत्तर संख्या (1)

क) आजकल दूरदर्शन के प्रसारवाहिकों का स्तर निम्न प्रकार का है क्योंकि इनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। 2

ख) दूरदर्शन का दुष्प्रभाव बाल्यावस्था के बच्चों पर अधिक पड़ता है क्योंकि छोटे बालक मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं। 2

ग) दूरदर्शन के निम्नलिखित दुष्प्रभाव हैं:-
(i) इससे मानसिक विकास रुक जाता है।
(ii) नजर कमजोर हो सकती है।
(iii) तनाव बढ़ सकता है। 2

(iv) छोटे बालक शीघ्र ही बुरी आदतों को अपना लेते हैं।
(v) आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता, अकेलापन।

(घ) बाल्य + अवस्था

(ङ.) दूरदर्शन धारावाहिक और समाज

उत्तर संख्या (2)

(क) 'जो बीत गई सो बात गई' से तात्पर्य है कि हमें अपने जीवन में जो बात बीत गई उसे याद कर अपना वर्तमान नहीं बर्बाद करना चाहिए और हमें उन बातों को भूलजाना चाहिए।

2/

(ख) आकाश की ओर हमें तब देखना चाहिए जब उसके तारें टूटते हो अर्थात् तारा टूट गया हो क्योंकि आकाश कभी उन तारों के लिए शोक नहीं मनाता है। जिससे हमें सीख मिलती है कि जो बीत गई सो बात गई। उसे याद नहीं करना चाहिए। 2

(ग) 'सूखे फूल' — 'सूखे फूल' के माध्यम से कवि हमारे बीते समय, सूखद यादें, प्रियजन आदि के प्रतीक है। 1

'मधुबन' — मनुष्य का प्रतीक है अर्थात् मनुष्य को भी मधुबन की तरह ही होना चाहिए। 1

(घ) टूटे तारों का शोक अंबर नहीं मनाता अर्थात् एक नेक, सच्चा मनुष्य भी किसी चीज का शोक नहीं मनाते है। 1

(ङ) हमारे विचार से 'जीवन में एक सितारा' हमारे प्रियजन तथा बीते सुखद-दुःखद अनुभवों को माना होगा।

उत्तर संख्या (3)

(ख) परिश्रमी व्यक्ति अवश्य सफल होता है।

(ग) संज्ञा उपवाक्य

(घ) जो कश्मीरी गेट का निकलसन कब्रगाह है उसमें उनका ताबूत उतारा गया।

(क) मैंने उस व्यक्ति को देखा और वह पीड़ा से कराह रहा था।

(५) उत्तर संख्या (५)

क) बालगोबिन भगत द्वारा प्रभातियाँ गायी गईथी।

ग) माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था।

घ) अवनि द्वारा चाय बनाई जा रही है।

ङ.) पायल हँस से उड़ा नही जाता।

ख) बीमारी के कारण उससे आया नहीं जाता।

05

उत्तर संख्या (5)

(क) पढ़ती है :- • क्रिया (सकर्मक क्रिया)
- वर्तमान काल
- एकवचन
- स्त्रीलिंग
- पढ़ना (क्रिया)

(ग) वे :- • सर्वनाम (अन्य पुरुष)
- बहुवचन
- पुल्लिंग

(घ) परिश्रमी :- • विशेषण (गुणवाचक)
- अंकिता (विशेष्य)
- एकवचन
- स्त्रीलिंग

(ङ) रवि :- • संज्ञा (व्यक्तिवाचक)
- एकवचन

• पुल्लिङ्ग

ख) यहाँ :- • क्रिया-विशेषण (~~स्थानवाचक~~)
• आया (क्रिया की विशेषता)
नहीं

(५) उत्तर संख्या (6)

(ख) हास्य रस

(ग) वीर रस का

(घ) 'वात्सल्य' रस का स्थायी भाव वत्सलता है।

(ङ) 'श्रृंगार' रस के दो भेद
(i) संयोग (ii) वियोग

(क) देख न सका मैं, माँ के नयनों की जलधार,
पुलकित कर देती है मुझको उसकी करुण पुकार ॥

उत्तर संख्या (7)

(क) एक दिन एक शिष्या ने खाँ साहब से कहा – "बाबा! आप यह क्या करते हैं, इतनी प्रतिष्ठा है आपकी। अब तो आपको भारतरत्न भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें। अच्छा नहीं लगता, जब भी कोई आता है आप इसी फटी तहमद में सबसे मिलते हैं।"

शिष्या ने ये सब कहा क्योंकि खाँ साहब को भारत रत्न भी मिल चुका था। अब वे भारत के एक मुख्य व्यक्ति बन गए थे।

(ख) खाँ साहब ने शिष्या को समझाया कि भारतरत्न मुझे मिला है मेरी तहमद को नहीं। अगर मैं अपने बनाव-सिंगार को देखता रहा, तो उमर ही बीत जाती, तब क्या रियाज़ हो पाता ?"

(ग) खाँ साहब का स्वभाव एक सरल सीधा-सादा आम आदमियों की तरह था। वह कभी दिखावा नहीं करते थे। इससे खाँ साहब का यही स्वभाव पता चलता है।

उत्तर संख्या (8)

(क) मन्नू भंडारी के पिता के दीकयानूसी मित्र ने बताया कि तुम्हारी बेटी मन्नू तुम्हें कही मुँह दिखाने योग्य नही छोड़ेगी। वह बीच चौराहे पर खड़ी होकर भाषड़ दे रही है। इससे आपके बारे में लोग क्या कहेंगें। ये बातें सुनकर मन्नू भंडारी के पिता भड़क उठे।

(ख) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के आश्चर्य का कारण थी क्योंकि :-

— बालगोबिन भगत रोज सबेरे खेत की ओर चल देते थे। चाहें कितनी कड़ाके की ठंड ही न हो।

— वे किसी की चीज को हाथ तक नहीं लगाते थे।

— वे ठंडी हो या गर्मी सिर पर कनपटी टोपी कबीरपंथी वाली पहनते थे।
— वे सच्चे संत के सभी गुण रखते थे।

— उनके खेत में जो भी उगता उसे कबीर मठ में ले जाकर चढ़ा / भेंट कर देते थे फलस्वरूप जो मिलता उसी से काम चलाते थे। 2

(ग) बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे। इसके निम्नलिखित कारण हैं:-

— बिस्मिल्ला खाँ रोज हनुमान जी के मंदिर में शहनाई बजाते थे और सभी पहर की नमाज़ भी अदा करते थे।

— उन्हें संगीत से बड़ा लगाव था। 2

— वे काशी से बहुत प्यार करते थे।

— वे सभी हिन्दु कार्यक्रमों में तथा सभी मुस्लिम कार्यक्रमों विशेषकर मोहर्रम में भी भाग लेते थे।

— वे कला के सच्चे उपासक थे।

(घ) 'फादर बुल्के की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी लगती थी' — कारण निम्नलिखित है।

- — उनके हृदय में सभी के लिए करुणा भरी थी।
- — फादर बुल्के देवदार के पेड़ की तरह लम्बे चौड़े व्यक्तित्व के स्वामी थे।
- — जैसे देवदार के पेड़ की छाया शीतल होती है उसी प्रकार फादर बुल्के के वचन भी शीतल थे।
- — वे रिश्ते निभाना अच्छे से जानते थे।
- — सभी मनुष्यों को करुणा तथा वात्सल्य लुटाते थे।

- उन्हें हिन्दी से विशेष लगाव था।

2

उत्तर संख्या (9)

(क) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है'- इस कविता में कवि हमें इस ~~तथ्य~~ तथ्य से अवगत करवाना चाहता है कि जैसे हर चंद्रिका रात के बाद एक काली रात भी आती है उसी प्रकार हर सुख के बाद दुःख तथा सभी दुःख के बाद सुख भी आते रहते हैं।

2

(ख) कवि ने यथार्थ के पूजन की बात इसलिए कहीं है क्योंकि लोग अपने बीते पलों को याद कर दुःखी होते हैं। लोगों को बीते पलों को याद नहीं ~~करना~~ चाहिए उसके स्थान पर वर्तमान / यथार्थ को ठीक करना चाहिए जिससे हमारा भविष्य उज्जवल हो सके।

2

(ग) 'मृगतृष्णा' का प्रतीकात्मक अर्थ भ्रम है क्योंकि मनुष्य। प्रभुता तथा सुख को चाहता है जिसप्रकार हलोग मरुस्थल में पानी के लिए भ्रमित होते है उसी प्रकार सुख के लिए भी भ्रमित होते है।

(4) उत्तर संख्या (10)

(क) लक्ष्मण ने धनुष टूटने के निम्नलिखित कारणों की संभावना व्यक्त करते हुए राम को निर्दोष बताया :-

- — हमने तो बचपन में अनेक धनुषों को तोड़ा है।
- — इसे तो श्रीराम ने नया धनुष समझा था परन्तु यह पुराना होने के कारण टूट गया।
- — धनुष बहुत कमजोर था जिसके कारण आसानी से टूट गया। इसमें रामजी का क्या दोष।

(ख) फागुन में ऐसी निम्नलिखित बातें थी जिससे कवि की आँख हट नहीं रही है :-

- पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे है।
- पेड़ो पर नए रंग-बिरंगे फूल आ गए है।
- पत्तियाँ तथा पेड़ इतने सुंदर लग रहे है जैसे स्वर्ग हो।
- चारों तरफ हर्ष-उल्लास तथा हरियाली है।

निम्नलिखित कारणों से ही कवि की आँख हट नहीं रही है।

(ग) फसल :- खेतों में या बड़े क्षेत्र में जो चारों तरफ से खुला हो उसमें एक ही प्रकार के पौधे उगाना फसल कहलाती है।

फसल के बारे में कवि ने निम्नलिखित संभावनाएँ व्यक्त की है :-

- — फसल हाथों की स्पर्श की महिमा है।
- — नदियों के जल का जादू है।
- — लोगों के मेहनत का फल है।
- — मिट्टी के कण-कण का जादू रूपी फल है।

(घ) 'कन्यादान' कविता में वस्त्र और आभूषणों को 'स्त्री जीवन के बंधन' कहा गया है क्योंकि स्त्री आभूषणों और वस्त्रों की सुंदरता के भ्रम में भ्रमित हो जाती है। जिससे उन्हें हानि होती है।

(ङ) मुख्य गायक का साथ तथा उसके गीत को संभालने वाले व्यक्ति को संगतकार कहते हैं।

संगतकार की भूमिका

- — संगत कार मुख्य गायक को अंतरे के जाल से

बाहर निकालता है।

— मुख्य गायक का राग जब बिखने लगता है तब संगतकार ही उसे उठाता है।

— संगतकार अपनी आवाज को कम कर मुख्यगायक की आवाज को प्रोत्साहित करता है।

(5) ~~4~~

उत्तर संख्या (11)

'साना - साना हाथ जोड़' पाठ में मुख्य रूप से सिक्किम और हिमालय की सुंदरता का वर्णन मिलता है। लेखिका बताती है कि लोग कहते है कि वह जहा ठहरी है वहाँ से अगर आसमान साफ हो तो कंचनजंघा की चोटी भी दिखाई देती है।

लेखिका गंगतोक के मार्ग में अपने गाइड 'जितेन नार्गे' के साथ आगे बढ़ती है। वहाँ उसे फूलों से लदी वादियाँ दिखाई पड़ती है जो अति मनमोहक लगती है। वहाँ के ऊँचे - ऊँचे पहाड़ उसे देखक मन खुश हो जाता है।

जगह - जगह अच्छे - अच्छे फूलो के पेड़ आदि तथा झरने जो किसी जादू से कम नही लगते है। दिखाई दे रहें थे। पहाड़ी औरते, बच्चे सभी खुश शांत पहाड़ों में घूमते हुए अति प्रसन्न लग रहें थे।

लगता है किसी स्वर्ग में आ गए है। लेखिका को अनुभव हुआ-

"जीवन का आनंद है यही चलायमान सौन्दर्य।"
सच कहें यह दृश्य का वर्णन हमें भी बहुत ही अच्छा लगा। मानों स्वर्ग यहीं विद्यमान है।

3

(6)

उत्तर संख्या (13)

सेवा में,
श्रीमान समाचार संपादक जी,
दैनिक जागरण,
नई-दिल्ली
दिनांक :- 19 मार्च 2019

विषय:- अवैज्ञानिक और तर्कहीन कार्यक्रम प्रायः दिखाए जाने जाने पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पत्र।

महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि मैं दीपक कुमार आपके शहर नई-दिल्ली का निवासी हूँ। मैं आज अपने पत्र के माध्यम से सोनीपल टी.वी. चैनल द्वारा अंधविश्वासों को प्रोत्साहित करने वाले अवैज्ञानिक और तर्कहीन कार्यक्रम प्रायः दिखाए जाने पर अपने विचार आपके साथ साझा करना चाहता हूँ।

महोदय इस तरह के अंधविश्वासों से हमारे देश की जनता

गलत मार्ग पर जा रही है. अगर ये अंधविश्वास टी.वी. पर इसी प्रकार दिखाऐं जाऐंगे, कि घर में भूत है तो तांत्रिक को बुलाओं। सोते समय सपने आऐं तो ये करों। इससे ये होगा वो होगा। तो हमारा देश उन्नति की बजाय अवनति की ओर बढ़ेगा।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि इस तरह के अंधविश्वास और तर्कहीन कार्यक्रमों से दूर रहने हेतु लोगों को जागरूक करते हुए आप इस विषय में अपने समाचार पत्र में सूचना अवश्य छापे तथा हमारी समस्या का निदान करें।

धन्यवाद

भवदीय
दीपक कुमार

उत्तर संख्या (14)

(5)

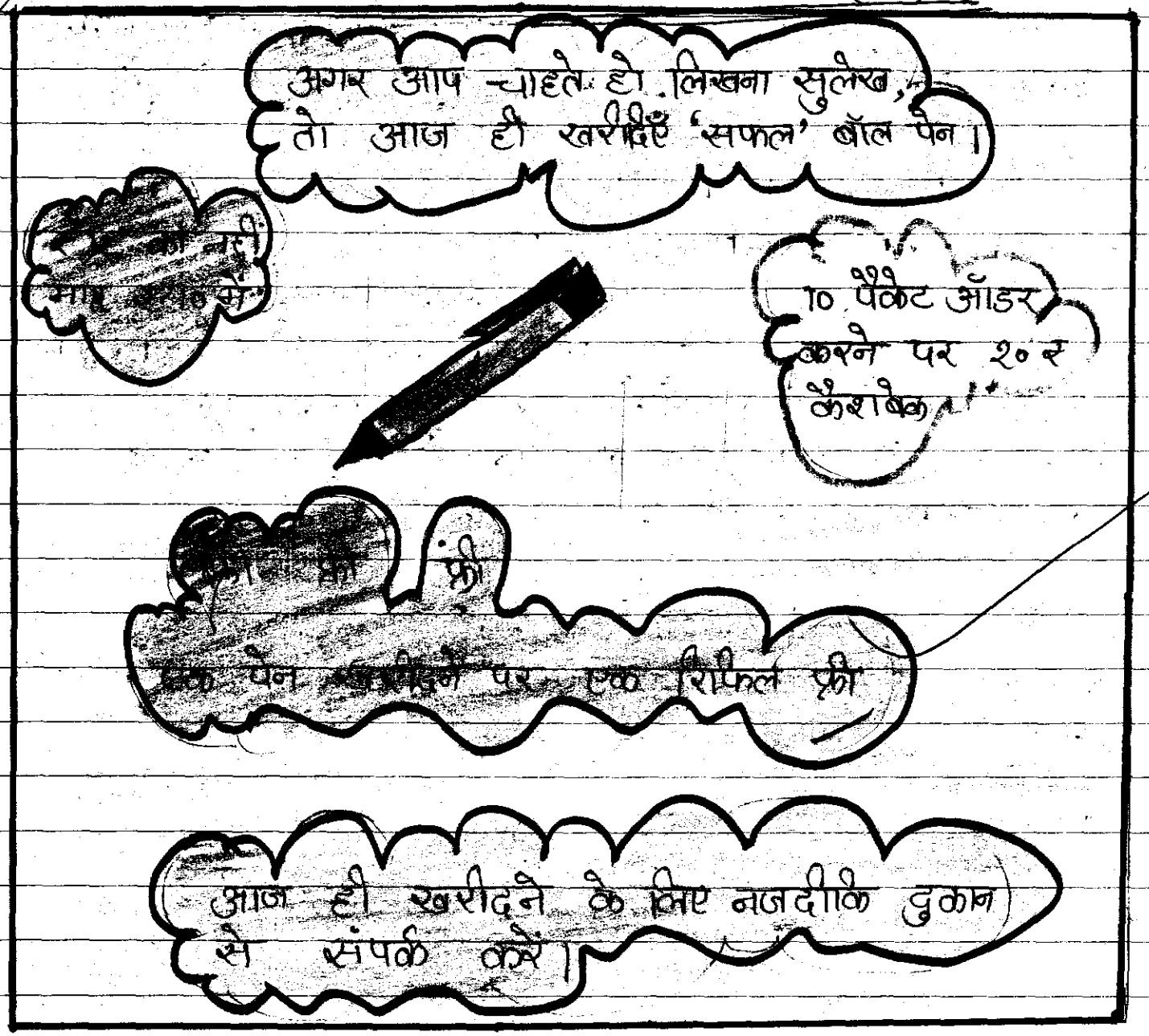

6

9+1 (10)

उत्तर संख्या (12)

स्वच्छ भारत अभियान

* भारत एक विशाल जनसंख्या वाला देश है। यहाँ गंदगी होना स्वाभाविक है तथा विशाल जनसंख्या एवं विभिन्न प्रकार की विविधताओं से भरपूर भारत स्वच्छता के लिए अनेक ~~एका~~ प्रयास कर रहा है। यहाँ लोग तथा सरकारें भी स्वच्छता के प्रति सचेत है। भारत सरकार की ओर से एक विशेष महत्त्वपूर्ण कदम स्वच्छ भारत अभियान है। भारत में स्वच्छ भारत अभियान 02 अक्टूबर ~~में गांधी जी के जन्मोत्सव~~ 2014 के दिन चलाया/शुरू करा गया अभियान था। इस अभियान को देश के प्रत्येक राज्य ने अपना समर्थन प्रदान करा। इसे चलाने के लिए प्रत्येक स्तर पर लोगों ने ~~अपना~~ योगदान दिया।

विद्यालयों में विशेषकर राजधानी दिल्ली में स्थित विद्यालयों में अनेक प्रकार के आयोजन हुए। जैसे – स्वच्छ भारत वाद-विवाद,

कविता लेखन, कविता पाठन और स्वच्छ भारत अभियान पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन आदि। इन आयोजनों में बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

बच्चों नें इस विषय में बहुत रूची ली तथा बच्चों ने नुक्कड़-नाटकों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

★ लोग कहते है ~~स्वच्छ मन~~ स्वच्छ मन में स्वास्थ्य मन का निवास होता है। विकास के लिए स्वच्छता बहुत ही महत्वपूर्ण है। अगर देश का विकास करना है तो स्वच्छता का ध्यान अवश्य रखना होगा क्योंकि विकास में स्वच्छता का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अगर लोग स्वस्थ्य होंगे तो वे अधिक मानासिक रूप से अच्छा कार्य करेंगे। मनुष्य को स्वस्थ्य रहने के लिए अपने आस-पास का वातावरण शुद्ध करना पड़ेगा। वातावरण तभी शुद्ध होगा जब हमें स्वच्छता का ध्यान रखेंगें।

अस्वच्छता से हमें अनेक हानियाँ है। अस्वच्छता के कारण अनेक रोग होते है। अस्वच्छता से होने वाले रोग जैसे :- हैजा, मलेरिया, दस्त, कुपोषण आदि। ये बिमारियाँ लोगों को बहुत परेशान करती है। ये लोगों के प्रतिरक्षा तंत्र को कमजोर कर देती है जिससे अनेक बिमारियाँ हमारे शरीर को अपना घर बना लेती है।

विकास की दर भी घटती है। अगर व्यक्ति कार्य ही नही कर पायेंगा तो विकास कैसे होगा?

अस्वच्छता से होने वाली हानियों को रोकने का उपाय स्वच्छ भारत अभियान है तथा लोगों को स्वच्छता के महत्व को बताना होगा। लोगों को इसके बारे में जागरूक करना होगा।

स्वच्छ भारत, स्वस्थ्य भारत

अर्थात अगर लोगों को इस बारे में तथा इससे

होने वाली बिमारियों से क्या-क्या हानि होती है तो लोग भी जागरूक होंगें तथा पूरे देश को साफ करने के लिए पहले गली मोहल्लो से शुरूआत करनी पड़ेगी। लोगों को साथ-मिलकर स्वच्छ भारत अभियान को सफल करना होगा।

हम सबका नारा है,
भारत स्वच्छ बनाना है।

लोगों ने अगर ठान लिया तो देश क्या विश्व भी साफ हो सकता है।

अतः हम सबको मिलकर स्वच्छता अपना चाहिए और गंदगी दूरी करनी चाहिए।
आइऐ गांधी जी का सपना सच करें।
अपने देश को स्वच्छ करें।

हमें घरों का कूड़ा अपने यहाँ आने वाली गाड़ी के द्वारा दूर कूड़ाघर भेज देना चाहिए। (10)

77+2+1 / 80 seventy seven only

00168

77+2+1 / 80 Rechecked by

00154

Eighty only

00167

~~Seventy Nine only~~

00167

80 / 80

80 / 80

00178

00151

2019